

**J-1117**

**M.A. (Previous) Examination, 2021**

**SANSKRIT**

**Paper - IV**

**(साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र)**

**Time Allowed : Three Hours**

**Maximum Marks : 100**

**Minimum Pass Marks : 36**

सूचना : सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

**इकाई-I**

**Q. 1.** अधोलिखितेषु कयोश्चिद् द्वयोर्ग्रन्थकारयोः सिद्धान्तः प्रतिपादनीयः – 20

(i) जगन्नाथः

(ii) राजशेखरः

(iii) वामनः

(iv) आनन्दवर्धनः

**इकाई-II**

**Q. 2.** नाट्य प्रयोजनं नाट्यवेदस्योत्पत्तिर्वा नाट्यशास्त्रानुसारेण  
विलिख्यताम्। 20

**J-1117**

**P.T.O.**

**(2)**

अथवा

नाट्यशास्त्रोत्पत्तिं निरूप्य “त्रैलोक्यस्यास्य सर्वस्य नाट्यं  
भावानुकीर्तनम्” इति विशदसन्तु।

**इकाई-III**

**Q. 3.** आचार्य मम्मटानुसारेण काव्य प्रयोजनं प्रतिपाद्यताम्। 20

अथवा

मम्मटस्य काव्य लक्षणं सोदाहरण प्रस्तुयन्तु।

**इकाई-IV**

**Q. 4.** अधस्तनेषु केऽपि द्वे कारिके सप्रसङ्गं व्याख्येयः- 20

(i) न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कला।

नासौ योगो न तत् कर्म नाट्येऽस्मिन् यत्र कृष्यते।

(ii) सदोषगुणालङ्कारघनादानाभ्याम्।

(iii) वेदो पवेहैः सम्बद्धो नाट्यवेदो महात्मना।

एवं भगवता सृष्टो ब्रह्मणा सर्ववेदिना।।

**J-1117**

**(3)**

**इकाई-V**

**Q. 5.** "तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणवानलंकृती पुनः क्वापि" इति  
विविच्यताम्। **20**

**अथवा**

साक्षात्संकेतितं योऽर्थमभिधते स वाचकः इति विविच्यताम्।

